

**PAPER-III**  
**INDIAN CULTURE**

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. \_\_\_\_\_

(In words)

**J 5 0 1 1**

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

**Instructions for the Candidates**

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

**No Additional Sheets are to be used.**

- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
  - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
- Read instructions given inside carefully.
- One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.**
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।  
**इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।**
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
  - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
  - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि वे पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

**INDIAN CULTURE**

**भारतीय संस्कृति**

**PAPER-III**

**प्रश्नपत्र-III**

**Note :** This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

**SECTION – I**

**खंड – I**

**Note :** This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

**नोट :** इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Give an account of the position of women in ancient Indian society.

प्राचीन भारतीय समाज में स्त्रियों की स्थिति का विवरण दीजिए ।

**OR / अथवा**

How is the painting an important source for understanding of the medieval Indian Culture ?

मध्यकालीन भारतीय संस्कृति को समझने के लिए चित्रकला किस तरह एक महत्वपूर्ण स्रोत है ?

**OR / अथवा**

Assess the role of Raja Ram Mohan Roy as a social reformer.

समाज सुधारक के रूप में राजा राममोहन राय की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए ।

















---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**SECTION – II**

**खंड – II**

**Note :** This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions contained therein. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

**नोट :** इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

**Elective – I**

**ऐच्छिक इकाई – I**

3. Discuss the main features of Indus Valley town planning.  
सिन्धु घाटी की नगर योजना की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।
4. Give an account of the republican system in ancient India.  
प्राचीन भारत में गणतन्त्रीय पद्धति का विवरण दीजिए ।
5. Write a note on the evolution of Saivism.  
शैवधर्म के उद्भव पर एक टिप्पणी लिखिए ।

**OR / अथवा**

**Elective – II**

**ऐच्छिक इकाई – II**

3. Throw light on the importance of Tantra and its influence on early medieval religions.  
तंत्र के महत्त्व एवं पूर्वमध्यकालीन धर्मों पर उसके प्रभाव पर प्रकाश डालिए ।
4. Why is Chisti Silsilah known for its liberal and tolerant outlook ?  
अपने उदार एवं सहिष्णु दृष्टिकोण के लिए चिश्ती सिलसिला क्यों प्रसिद्ध है ?
5. How far do you agree that Indians appreciate diversity rather than uniformity of culture ?  
आप इस बात से कहाँ तक सहमत हैं कि भारतीय लोग संस्कृति की एकरूपता की जगह विविधता को अधिक पसन्द करते हैं ?

**OR / अथवा**

**Elective – III**  
**ऐच्छिक इकाई – III**

3. Examine the role of Christian missionaries in conversion to Christianity. How did it differ from the conversion to Islam ?  
ईसाई धर्म के अन्तर्गत धर्मान्तरण में ईसाई मिशनरियों की भूमिका का परीक्षण कीजिए । इस्लाम में धर्मान्तरण से यह किस तरह भिन्न था ?
4. Analyse the basic objectives of the Brahma Samaj, Prarthana Samaj and Arya Samaj. Was there any difference in their attitude to social reform ?  
ब्रह्म समाज, प्रार्थना समाज एवं आर्य समाज के उद्देश्यों का विश्लेषण कीजिए । क्या सामाजिक सुधार के प्रति उनकी मनःस्थिति में कोई अन्तर था ?
5. Define the Gandhian concept of Satyagraha and examine its role in the evolution of freedom struggle.  
गांधी की सत्याग्रह - अवधारणा को परिभाषित कीजिए तथा स्वतंत्रता संघर्ष के विकास में इसकी भूमिका का परीक्षण कीजिए ।

















**SECTION – III**  
**खंड – III**

**Note :** This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

**नोट :** इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Throw light on the Vedic deity Indra.  
वैदिक देवता इन्द्र पर प्रकाश डालिए ।

7. Give a brief account of Gupta silver coins.

गुप्त चांदी के सिक्कों का संक्षिप्त विवरण दीजिए ।

8. Point out the distinctive features of Khajuraho Temples.

खजुराहों के मन्दिरों के विशिष्ट लक्षणों को निर्दिष्ट कीजिए ।

9. Point out the significance of the Ain-i-Iradah-i-Ghazinān or Tauhid-i-Ilahi.

आइन-ए-इरादाह-ए-गाजिनान या तौहीद-ए-इलाही के महत्त्व को इंगित कीजिये ।

10. Highlight the perceptions of Mirabai's Bhakti outlook.  
मीराबाई के भक्ति सम्बन्धी विचारों पर प्रकाश डालिये ।





12. What do you mean by utilitarianism ?

उपयोगितावाद से आप का क्या तात्पर्य है ?

13. Comment on Vivekananda's concept of 'New India'.

विवेकानन्द की 'नवभारत' की अवधारणा पर टिप्पणी कीजिए ।



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

## SECTION – IV

### खंड – IV

This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words. **(5 × 5 = 25 marks)**

इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है। **(5 × 5 = 25 अंक)**

Vegetarianism was perhaps also not unknown to the Rigvedic Aryans. A devout offering of praise or of fuel stick or cooked food was considered as good as a more solemn sacrifice. Then there is a whole hymn addressed to *Pitu* (nutriment) which mentions all the articles of food except meat. In the later Vedic period a feeling of revulsion against meat eating, especially beef, is found in almost all our works. The Atharvaveda regards beef eating as an offence against forefathers (Pitrs). Brhaspati, it is said, takes away the progeny of those who consume a cow. There was also an injunction against the slaughter of horses in a sacrifice. People who observed a vow, generally, abstained from meat diet and Brāhmaṇas took only sanctified meat and that too of pure animals.

ऋग्वैदिक आर्य संभवतया शाकाहारवाद से अपरिचित नहीं थे। एक श्रद्धालु का प्रशंसा में चढ़ावा या लकड़ी के ईंधन या पकाया गया भोजन पवित्र यज्ञ से अधिक अच्छा माना जाता था। पितु (पौष्टिक) को संबोधित एक संपूर्ण सूक्त है जो माँस को छोड़ कर सभी भोज्य पदार्थों का उल्लेख करती है। परवर्ती वैदिक काल में माँस भक्षण, विशेषतया गाय, के विरुद्ध विचार हमारे लगभग सभी ग्रंथों में पाया जाता है। अथर्ववेद मानता है कि गाय भक्षण पितरों के विरुद्ध अपराध है। बृहस्पति के बारे में कहा जाता है कि वे मानते हैं कि जो गाय खाते हैं उन्हें सन्तान नहीं होती। ऐसा भी उल्लेख है कि यज्ञों में घोड़ों की बलि नहीं होनी चाहिये। जो व्रत रखते हैं वो सामान्यतया माँस भक्षण नहीं करते। ब्राह्मण केवल शुद्ध पशुओं के पवित्रीकृत माँस खाते हैं।

15. Was vegetarianism not known to the Aryans of Rigvedic Age ?  
क्या ऋग्वैदिक काल के आर्यों को शाकाहारी सिद्धान्त ज्ञात नहीं था ?

16. Which kind of food is not mentioned in a hymn ?  
सूक्त में किस तरह के भोजन का उल्लेख नहीं हुआ है ?



19. Did Brahmans eat all kinds of meat ?  
क्या ब्राह्मण सभी प्रकार का मांस खाते थे ?

**Space For Rough Work**

<b>FOR OFFICE USE ONLY</b>	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation)

Date .....